2011 12

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT

जुड़े शक्ति – बढ़े गति

Pooling strength - Walking extra length

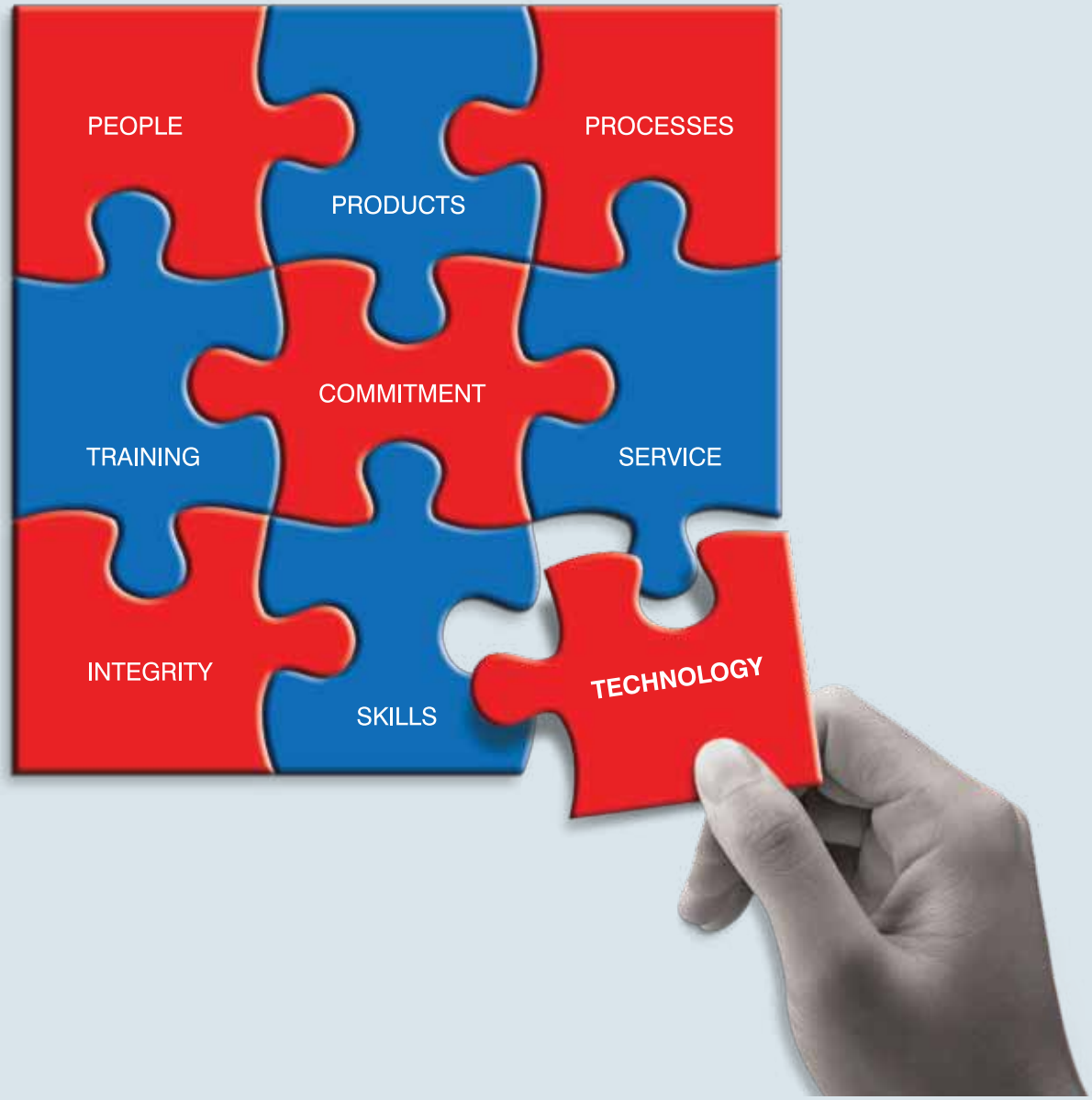

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
अच्छे लोग, अच्छा बैंक

Union Bank of India
Good people to bank with

आपके सपने सिर्फ़ आपके नहीं

Your dreams are not yours alone

विषय सूची

	पृष्ठ
निदेशक मंडल	03
वर्ष 2011-12 की प्रमुख बातें	14
महत्त्वपूर्ण वित्तीय सूचक	16
सूचना	18
निदेशकों की रिपोर्ट	20
प्रबंधकीय परिचर्चा एवं विश्लेषण	25
कार्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट	45
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	72
तुलन-पत्र	74
लाभ एवं हानि लेखा	75
अनुसूचियां 1 से 18	76
नकदी प्रवाह विवरण	101
समेकित लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	103
समेकित तुलन-पत्र	104
समेकित लाभ एवं हानि लेखा	105
समेकित अनुसूचियां 1 से 18	106
नकदी प्रवाह विवरण	123
जोखिम प्रबंधन	125

CONTENTS

	Page
Board of Directors	03
Highlights of 2011-12	15
Key Financial Indicators	136
Notice	138
Directors' Report	140
Management Discussions & Analysis	144
Corporate Governance Reprot	162
Auditors' Report	186
Balance Sheet	188
Profit & Loss Account	189
Schedules 1 to 18	190
Cash Flow Statement	213
Consolidated Auditors' Report	215
Consolidated Balance Sheet	216
Consolidated Profit & Loss Account	217
Consolidated Schedules 1 to 18	218
Consolidated Cash Flow Statement	234
Risk Management	236

प्रधान कार्यालय

यूनियन बैंक भवन
239, विधान भवन मार्ग,
नरीमन पॉइंट,
मुंबई - 400 021.

Head Office

Union Bank Bhavan,
239, Vidhan Bhavan Marg,
Nariman Point,
Mumbai - 400 021.

केंद्रीय कार्यालय

यूनियन बैंक भवन,
239, विधान भवन मार्ग,
नरीमन पॉइंट,
मुंबई - 400 021.

Central Office

Union Bank Bhavan,
239, Vidhan Bhavan Marg,
Nariman Point,
Mumbai - 400 021.

निवेशक सेवा प्रभाग

यूनियन बैंक भवन,
239, विधान भवन मार्ग,
नरीमन पॉइंट,
मुंबई - 400 021.

Investor Services Division

Union Bank Bhavan,
239, Vidhan Bhavan Marg,
Nariman Point,
Mumbai - 400 021.

रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेंट डाटामैटिक्स फायनांशियल सर्विसेस लि.

प्लॉट क्र. बी- 5, पार्ट बी,
क्रॉस लेन, एम. आई. डी.सी., मरोल,
अंधेरी (पूर्व), मुंबई-400 093.

Registrar & Share Transfer Agent Datamatics Financial Services Ltd.

Plot No. B-5, Part B,
Cross Lane, MIDC, Marol,
Andheri (E), Mumbai-400 093.

लेखा परीक्षक AUDITORS

कृते जे. एल. सेनगुप्ता एंड कं.
सनदी लेखाकार

For J.L.SENGUPTA & CO
CHARTERED ACCOUNTANTS

कृते अरुण के. अग्रवाल एंड कं.
सनदी लेखाकार

For ARUN K. AGARWAL & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

कृते ओम प्रकाश एस. चपलोत एंड कं.
सनदी लेखाकार

For OM PRAKASH S. CHAPLOT & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

कृते जी. एस. माथुर एंड कं.
सनदी लेखाकार

For G. S. MATHUR & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

कृते प्राइस पैट एंड कं.
सनदी लेखाकार

For PRICE PATT & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

कृते सिंगरोलिया गोयल एंड कं.
सनदी लेखाकार

For SINGRODIA GOYAL & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक मंडल
BOARD OF DIRECTORS

श्री डी.सरकार
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Shri Debabrata Sarkar
Chairman &
Managing Director

श्री डी.सरकार ने 1 अप्रैल, 2012 से बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का कार्य-भार ग्रहण किया. 3 नवम्बर, 1953 को जन्मे, श्री सरकार ने कामर्स में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की और वे अर्हता प्राप्त फेलो चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट हैं. इसके अतिरिक्त, आप इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनांस के सर्टिफाइड एसोसिएट भी हैं. बैंक ऑफ बड़ौदा से अपना कैरियर शुरु करके, उन्होंने विभिन्न शाखाओं, क्षेत्रीय कार्यालय, अंचलीय कार्यालय और कारपोरेट कार्यालय में कार्य किया. वे पोर्ट लुई में बैंक के मॉरीशस परिचालन के आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग के प्रभारी रहे. उन्होंने विशेषीकृत इंटीग्रेटेड ट्रेजरी शाखा, मुंबई के प्रभारी के रुप में भी कार्य किया. श्री सरकार ने 07.12.2009 को इलाहाबाद बैंक के कार्यपालक निदेशक का कार्यग्रहण किया. श्री सरकार के नेतृत्व में इलाहाबाद बैंक की सभी शाखाएं सीबीएस प्लेटफार्म के अंतर्गत लायी गईं. आपने इलाहाबाद बैंक में जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा लाने में पहल की. आपने ऋण समूहन विभाग को कार्य निष्पादन केन्द्रित, व्यापक प्रोत्साहन योजना बनाकर पुन: सक्रिय किया. श्री सरकार ट्रेजरी एवं कारपोरेट क्रेडिट विशेषत: ऋण नियोजन में विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं.

आप सेंट्रल सेक्युरिटीज़ डिपाजिटरी लिमिटेड मुंबई, बोर्ड ऑफ बैंक ऑफ बड़ौदा (बोत्सवाना) लिमिटेड (बैंक ऑफ बड़ौदा की एक ओवरसीज बैंकिंग सब्सीडरी) के बोर्ड में निदेशक एवं बड़ौदा पायोनियर असेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, मुंबई के न्यासी थे. आप आईसीआईसीआई वेन्चर कैपिटल मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, बैंगलूर द्वारा प्रायोजित सुपरवाइजरी बोर्ड ऑफ इंडिया एडवांटेज फंड सीरीज के सदस्य भी थे.

Shri D. Sarkar has taken over the charge as Chairman & Managing Director of the Bank since 1st April, 2012. Born on 3rd November, 1953, Shri Sarkar holds a post graduate degree in Commerce and is a qualified Fellow Chartered Accountant. In addition, he is also a Certified Associate of Indian Institute of Banking and Finance. Having started his career in Bank of Baroda, he worked in various capacities in Branches, Regional office, Zonal Office and Corporate Office. He was in charge of Internal Audit department of Bank's Mauritius Operation at Port Louis. He also worked as in charge of Specialized Integrated Treasury Branch, Mumbai. Shri Sarkar assumed the office of the Executive Director of the Allahabad Bank on 07.12.2009. Shri Sarkar was instrumental in bringing all the branches under CBS platform in Allahabad Bank. He has taken initiative in introducing Risk Based Internal Audit in Allahabad Bank. He was also associated with reactivating Loan syndication department, making Incentive Scheme broad based focusing on performance. Shri Sarkar is known for his expertise in Treasury & Corporate Credit focusing mainly on credit deployment.

He was a Director on the Board of Central Securities Depository Ltd. Mumbai, Board of Bank of Baroda (Botswana) Ltd. (an overseas banking subsidiary of Bank of Baroda). He was a Trustee on the Baroda Pioneer Asset Management Company Ltd., Mumbai. He was also a member on Supervisory Board of India Advantage Fund Series sponsored by ICICI Venture Capital Management Company Ltd., Bangalore.

श्री एस. एस. मूंदड़ा
कार्यपालक निदेशक

SHRI S. S. MUNDRA
Executive Director

श्री मूंदड़ा ने 1 सितंबर 2010 को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया है. 18 जुलाई 1954 को जन्मे श्री मूंदड़ा पुणे विश्वद्यिालय से कामर्स में पोस्ट ग्रेजुएट और इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस के प्रमाणित एसोसिएट हैं.

यूनियन बैंक में कार्यग्रहण से पूर्व श्री मूंदड़ा बैंक ऑफ बड़ौदा में महाप्रबंधक थे और उनको 7 जनवरी 2008 से बैंक के यूरोपियन परिचालनों का मुख्य कार्यपालक बनाया गया था. इसके पूर्व वे मुंबई में ट्रेज़री व संसाधन प्रबंधन के प्रभारी महाप्रबंधक थे.

उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा में सीधे भर्ती अधिकारी के तौर पर 21 मार्च 1977 को सेवा आरंभ की थी. अपने तीन दशकों के बैंकिंग कैरियर में उन्होंने देश और विदेश में कई पदों पर काम किया. कैरियर के आरंभ में वे बैंक की कई शाखाओं के शाखा प्रबंधक और बैंक के क्षेत्रीय और अंचलीय कार्यालयों में क्रेडिट के प्रभारी रहे थे. 1994-97 के दौरान उन्होंने युगांडा में बैंक की सहायक कंपनी में काम किया. श्री मूंदड़ा 20010 से 2005 तक और पुन: 2007 में ट्रेजरी में रहे. इस दौरान उन्होंने मनी मार्केट परिचालन के प्रभारी, ट्रेज़री बैक आफिस के प्रमख, ट्रेज़री फ्रंट आफिस के प्रमुख आदि के रूप में काम किया और बाद में संपूर्ण ट्रेज़री के महाप्रबंधक पद पर आसीन हुए.

2005-2007 के दौरान उनको " फालो ऑन पब्लिक ऑफर " का कार्य सौंपा गया, जो जनवरी 2006 में अभूतपूर्व सफलता के साथ पूरा हुआ. इसके बाद वे बैंक के महाराष्ट्र और गोवा अंचल के अंचल प्रमुख बने, जिसमें 204 शाखाएं थीं और रु. 10 बिलियन का कारोबार था तथा इसका विशाल भौगोलिक क्षेत्र था.

उनके कार्य काल में अंचल में बैंक की कई नई पहल यथा " एसएमई लोन फैक्टरी " और "जेन नेक्स्ट ब्रांच" लांच किये गये थे, जो बाद में बैक के कारोबार को बढ़ाने में बहुत सहायक सिद्ध हुए.

वर्ष 2006 में आप बैंक के निदेशक मंडल के सचिव भी रहे थे ओर लंबे समय तक आप बैंक के निवेशक संबंधी कार्यों से भी जुड़े रहे.

उन्होंने बैंक के कार्य, सेमिनार में भाग लेने और कुछ विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए कई देशों की यात्रा की है.

वे बैंक के प्रशिक्षण संस्थान तथा अन्य बैंकों के प्रशिक्षण संस्थानों ओर बैंकिंग संस्थाओं में अतिथि फैकल्टी भी रहे हैं.

भारत में श्री मूंदड़ा ने मिटकान, पुणे, सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लि. (सीडीएसएल), मुंबई, क्लीयरिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि. (सीसीआईएल), मुंबई और बॉब असेट मैनेजमेंट कंपनी जैसी कंपनियों के बोर्ड में बैंक का प्रतिनिधित्व किया है.

उन्हें हाल ही में इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (यूके) के बोर्ड में भारत सरकार द्वारा निदेशक के रुप में नामित किया गया है.

श्री मूंदड़ा एक अच्छे पाठक हैं और उनके पठन क्षेत्र का विस्तार नेतृत्व, साहित्य, बैंकिंग से लेकर योग और दर्शन तक है.

Shri Mundra assumed charge as Executive Director of Union Bank of India w.e.f. September 1, 2010 . Born on 18th July, 1954, Shri Mundra is a Post Graduate in Commerce from the University of Pune and is also a Certified Associate of Indian Institute of Banking and Finance.

Prior to joining Union Bank, Shri S S Mundra was in the rank of General Manager of Bank of Baroda and was posted as Chief Executive of Bank's European Operations w.e.f. 7th January, 2008. Prior to this, he was holding the charge as General Manager Treasury and Resource Management at Mumbai.

He joined Bank of Baroda on 21st March, 1977 as a Directly Recruited Officer. In a Banking Career, spanning over three decades, he has held various positions across the country as well as overseas. Early in his career, he had been Branch Manager at various branches of the Bank as also in charge of Credit Functions of various Regional/Zonal offices of the bank. During the years 1994-1997 he was posted at Bank's subsidiary at Uganda. Shri

Mundra had been in Bank's Treasury function from the year 2001 to 2005 and again in the year 2007.During the stint, he has worked in various Treasury functions including in charge of Money Market Operations, Heading the Treasury Back Office, Heading the Treasury Front Office and finally rising to the post of General Manager of entire Treasury Operations.

During the period 2005-2007, he was assigned to steer the bank's "follow on Public Offer" which was completed in the month of January, 2006 with a resounding success. Thereafter, he took over as the Zonal Head of Bank's Maharashtra and Goa Zone, spanning over a large geographical area consisting of 204 branches and business level of Indian Rs. 10 Bn.

Bank's new initiatives viz. "SME Loan Factory", "Gen- Next Branch" etc. were launched in the Zone during his stint which later developed as a robust business model for the bank.

He was also Secretary to the Board of Directors of the Bank in the year 2006 and has also been associated with Investor Relationship Function of the Bank for a long time.

He has travelled widely and has visited several countries in the course of Bank's assignments, seminars and also for a few specialised trainings.

He has also been a visiting faculty to the Bank's Training Institutions as well as Training Institutions of other Banks and Banking Bodies.

In India, Shri Mundra has represented the Bank as a Director on the Board of many companies viz. MITCON, Pune, Central Depositary Services Limited (CDSL), Mumbai, Clearing Corporation of India Limited (CCIL), Mumbai and Bob Asset Management Company.

He was also a Nominee Director of Govt. of India on the Board of India Infrastructure Finance Company (UK) Limited, London during his stint with Bank of Baroda, London. He is presently on the Board of Star Union Dai-Ichi Life Insurance and National Payments Corporation of India.

Shri Mundra is an avid reader and his reading interests range from Leadership literature, banking to Yoga and Philosophy.

श्री सुरेश कुमार जैन

Shri Suresh Kumar Jain

श्री सुरेश कुमार जैन ने 1 सितंबर 2011 को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया. वे कॉलेज और यूनिवर्सिटी में बी.एससी.(ऑनर्स) तथा एम.ए.(अर्थशास्त्र) के साथ गोल्ड मेडलिस्ट हैं. श्री जैन 35 वर्षों से अधिक से व्यावसायिक बैंकर हैं व उन्होंने ऋण तथा विदेशी मुद्रा विनिमय में विशेषज्ञता के साथ देश और विदेश में विभिन्न पदों पर कार्य किया. बैंक में कार्यग्रहण से पहले श्री जैन बैंक ऑफ इंडिया में महाप्रबंधक थे. श्री एस.के.जैन को लंदन एवं हांगकांग में कार्य करने से देशी तथा साथ ही विदेशी बैंकिंग का वृहद् अनुभव है. वे बैंकिंग के सभी क्षेत्रों में व्यापक अनुभव सहित अनुभवी बैंकर हैं.

Shri Suresh Kumar Jain has assumed charge as the Executive Director of Union Bank of India on 1st September 2011. He is Gold Medalist in College and University with B.Sc (Hons.) & M.A. (Economics). Shri Jain has been a professional Banker for over 35 years, having worked in various capacities across the country and abroad with specialization in Credit and Foreign Exchange. Prior to joining the Bank, Shri Jain was General Manager, Bank of India. Mr. S.K. Jain has rich experience in both domestic as well as international banking having worked in London and Hong Kong. He is a seasoned banker with varied experience in all areas of banking.

श्री राजेश खुल्लर
Shri. Rajesh Khullar

श्री राजेश खुल्लर को बैंक के निदेशक बोर्ड में 15 नवम्बर, 2011 से सरकार द्वारा नामित निदेशक के रुप में नियुक्त किया गया है. श्री खुल्लर हरियाणा कैडर के 1988 बैच के आईएएस अधिकारी हैं. उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से 1984 में भौतिक शास्त्र में परा स्नातक परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया था.

वे 1995-96 मे सोनीपत और 1999 से 2001 तक रोहतक में जिलाधिकारी के पद पर रहे हैं. इसके अलावा उन्होंने हरियाणा में कृषि, स्कूली शिक्षा, जनसंपर्क और पर्यटन विभागों में निदेशक के रुप में कार्य किया है.

जटिल समस्याओं का अभिनव समाधान निकालना तथा सिद्धांत आधारित स्कीमों का पक्ष लेना उनके व्यक्तित्व के मजबूत पक्ष हैं. कन्या भ्रूण हत्या और उसके साथ साथ कन्याओं की पोषण और शैक्षिक उपेक्षा तथा बालविवाह की समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने 1994 में "अपनी बेटी अपना धन " नामक एक सफल स्कीम बनाई थी.

अत्यधिक भूजल का उपयोग करने वाली "साथी" (गरमी में धान की फसल) से किसानों को हत्सोसाहित करने की सफलता का श्रेय उनको है. इसके कारण राज्य में भूजल के स्तर में गिरावट हो रही थी. उनकी इस उपलब्धि को इंडिया टुडे के अगस्त 2006 के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था. उन्होंने जल संरक्षण अभियान का नेतृत्व किया जो भारतीय कृषि के इतिहास में दर्ज है, जिसने हरियाणा में गेहूं उत्पादकता के क्षेत्र में पंजाब को पीछे छोड़ दिया.

वे दो बार हरियाणा राज्य एडस नियंत्रण समिति के निदेशक के पद पर रहे. उन्होंने एचआयवी से संबंधित शंकाओं और सवालों का जवाब देने के लिए कहानी के माध्यम का प्रयोग किया और इस क्रम में 08 दिसम्बर, 2007 को बेंगलोर में भारत पाक मैच के दौरान रुपा द्वारा उनके प्रथम उपन्यास "Viral Match" का प्रकाशन किया गया.

जुलाई 2007 से जुलाई 2009 के मध्य नगर महापालिका, फरीदाबाद में आयुक्त के पद पर नियुक्ति के दौरान उन्होंने एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा स्कीम प्रारंभ की, जिसके अंतर्गत बीमा बचत खाते, स्वास्थ्य जांच, सार्वजनिक सुरक्षा और रैनबसेरे की सुविधा का समावेश था, जिसके लिए भारत सरकार के जवाहरलाल नेहरु शहरी नवीकरण मिशन के अंतर्गत प्रदूषण रहित परिवहन माध्यम के जरिए शहरी यातायात में सुधार के लिए उन्हें श्रेष्ठता पुरस्कार प्रदान किया गया. वित्तीय कार्य मंत्रालय के आईएनआई प्रभाग में संयुक्त सचिव का पदभार ग्रहण करने के पूर्व वे गुड़गांव नगर पालिका के आयुक्त थे, जहां उन्होंने 21वीं सदी की जनआकांक्षाओं के अनुरुप प्रोटाकॉल आरंभ किया था.

Shri. Rajesh Khullar has been appointed as Govt. Nominee Director of the Board of the Bank w.e.f. November 15, 2011. Sh. Khullar belongs to 1988 batch of IAS from Haryana Cadre. He had obtained his Master's Degree in Physics in 1984 topping the Punjab University.

His posting include two stints as District Magistrate first in Sonepat during 1995-96 and then in Rohtak from 1999 to 2001. He has also worked as Director in Departments of Agriculture, School Education, Public relations, and Tourism in Haryana.

Generating innovative solutions to vexed problems and strongly advocating principle based schemes are his forte. He conceived the unique path breaking scheme named "Apni Beti, Apna Dhan" Scheme in 1994 that has simultaneously addressed the problems of female foeticide nutritional and educational neglect of girl child and early age of marriage.

He also has to his credit the distinction of successfully weaning away the farmers from the cultivation of "saathi"(summer paddy), which being a water guzzler was playing havoc with the water table in fresh water aquifers of the State. This achievement was highlighted by India Today in its issue of August, 2006. He also led the campaign which helped achieve the watershed event in the history of Indian Agriculture where Haryana surpassed Punjab in wheat productivity.

He has twice been the Director of Haryana State AIDS control Society. He began experimenting with the medium of fiction as a means of answering the HIV related doubts and questions, this led to publication of his first novel, "Viral Match", by Rupa which was launched on December 8, 2007 during Bangalore Test Match between Pakistan and India.

During his posting as Commissioner, Municipal Corporation, Faridabad from July 2007 to June 2009 he launched India's first project of providing a comprehensive social safety umbrella including insurance, saving accounts, health checkups, public conveniences and night shelters for which he was conferred an AWARD of EXCELLENCE under Jawahar Lal Nehru Urban Renewal Mission by Government of India for improvement in sustainable Urban Mobility through green transport mode. His last posting prior to taking over charge as Joint Secretary, I&I Division, Department of Economic Affairs Ministry of Finance was as Commissioner, Municipal Corporation, Gurgaon where he introduced protocols true to the aspirations of people in 21st Century.

श्री चंदन सिन्हा

Shri Chandan Sinha

श्री चंदन सिन्हा 08 मार्च, 2011 से भारतीय रिज़र्व बैंक के नई दिल्ली कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक है. अपने इस कार्यभार से पहले आप मुंबई में भारतीय रिज़र्व बैंक की वित्तीय स्थिरता इकाई में विशेष कार्य अधिकारी थे. आपको करेंसी, ऋण और मुद्रा बाजार का विशद अनुभव है. आप भारतीय रिज़र्व बैंक के 3 बाजार उन्मुख विभागों से 17 वर्षों जुड़े रहे हैं जिसमें 4 वर्ष तक वित्तीय बाजार के प्रमुख रहे हैं. अपने भारतीय प्रतिभूति ट्रेडिंग कार्पोरेशन में 3 1/2 साल चीफ डीलर के पद पर और डाक जीवन बीमा के निवेश प्रभाग की स्थापना के लिए मुख्य निवेश अधिकारी के रुप में एक साल तक कार्य किया है.

श्री सिन्हा भारतीय रिज़र्व बैंक के विभिन्न प्रमुख कार्यदल/समितियों में रहे है और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों और कार्यशालाओं में उन्होंने भारतीय रिज़र्व बैंक की ओर से भाग लिया है. वे इलाहाबाद बैंक के निदेशक मंडल में 2005 में सम्मिलित थे तथा डेढ़ साल इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट गुवाहाटी के निदेशक रहे हैं. वे देश-विदेश में प्रशिक्षण संस्थानों में वक्ता के रुप में आमंत्रित किए जाते रहे है और कार्पोरेट बांड मार्केट डेवलपमेंट इन इंडिया (बीआईएस पेपर्स जनवरी 2006) और इंडियन फाइनांशियल ओपेननेस एंड इंट्रिगेशन विथ साउथ ईस्ट एशियन कंट्रीज (बीआईएस पेपेर्स 42 अक्तूबर 2008) के सह लेखक है.

1982 में रिज़र्व बैंक की सेवा में आने से पहले आप भारतीय स्टेट बैंक में प्रोबेशनरी अधिकारी थे. आपने दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफन्स कालेज से एमएससी (भौतिक शास्त्र) की परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा बैंक की सेवा में रहते हुए एमबीए (वित्त) तथा सीएआइआइबी की योग्यता भी अर्जित की है.

Shri Chandan Sinha is the Regional Director of the New Delhi office of the Reserve Bank of India (RBI) since March 8, 2011. Prior to the current assignment, he was Officer on Special Duty in the Financial Stability Unit of the RBI at Mumbai. He has rich experience of the currency, debt and money markets in view of his long association of 17 years with the three market oriented departments of RBI (including as the head of the Financial Markets Department for 4 years), a 3 ½ year stint with the Securities Trading Corporation of India (STCI) as the Chief Dealer and one year tenure as the Chief Investment Officer (HAG level) for setting-up the Investment Division of the Postal Life Insurance.

Shri Sinha has served on several important working groups/committees of the Reserve Bank and has also been the RBI nominee for several international seminars and workshops. He was the RBI nominee Director on the Board of Allahabad Bank in 2005 and served as the Director, Indian Institute of Bank Management, Guwahati for 1½ years. He has been a resource person at training establishments both within and outside the country and has co-authored papers on Corporate Bond Market Development in India (BIS papers-Jan. 2006) and on Indian Financial Openness and Integration with South East Asian Countries (BIS papers 42 – Oct. 2008).

Before joining the RBI in 1982, he worked as probationary officer with the State Bank of India. He is M.Sc. (Physics) from St. Stephens College, Delhi University and acquired MBA (in Finance) and also CAIIB during the course of his career in the Bank.

श्री बी. एम. शर्मा

Shri B.M.Sharma

श्री बी. एम. शर्मा बैंक के निदेशक मंडल में बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970/1980 के सनदी लेखाकार श्रेणी खंड (3)(जी) के अंतर्गत दिनांक 16 अप्रैल, 2010 की अधिसूचना के जरिये नियुक्त किए गए हैं.

श्री शर्मा अर्हताप्राप्त सनदी लेखाकार हैं, जो 28 से अधिक वर्षों से प्रैक्टिस कर रहे हैं. इसके अतिरिक्त, आप अर्हताप्राप्त सूचना प्रणाली लेखापरीक्षक भी हैं. आपने अपने दो दशकों से अधिक के अनुभव के दौरान समवर्ती लेखापरीक्षा तथा बैंकों के कई अन्य कार्यों का संचालन भी किया है तथा वित्त, बैंकिंग एवं कराधान में विशेषज्ञता प्राप्त की है.

यूनियन बैंक में अपने नामांकन से पहले श्री शर्मा केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त सनदी लेखाकार श्रेणी के अंतर्गत विजया बैंक के निदेशक मंडल में थे.

श्री शर्मा वर्ष 2009 के दौरान इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउण्टेंट्स ऑफ इंडिया की व्यावसायिक विकास समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य थे. व्यावसायिक विकास समिति से जुड़े होने के कारण आपको सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी इक्विटी वित्तपोषण और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के क्षेत्रों में गहन अनुभव है.

Shri B.M. Sharma has been appointed on the Board of the Bank vide notification dated 16th April, 2010 under the clause 9 (3)(g), chartered Accountant Category of Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act 1970/1980.

Shri B.M. Sharma is qualified Chartered Accountant practicing for more than 28 years. In addition he is also qualified Information System Auditor. During his span of experience of over two decades he has handled Concurrent Audit and various other assignments of banks and has gained expertise in the field of Finance, Banking & Taxation.

Prior to his nomination to Union Bank Shri Sharma had been on the Board of Vijaya Bank appointed by Central Government under Chartered Accountant Category.

Shri Sharma was also a special invitee to Professional Development Committee of the Institute of Chartered Accountants of India during the year 2009. During his association with Professional Development Committee he has worked very closely in the fields of Public Sector Undertakings, Private Equity Financing and Regional Rural Banks.

श्री वैद्यनाथ भट्टचार्जी

SHRI BAIDYA NATH BHATTACHARJEE

केंद्र सरकार ने भारिबैं. से विचार विमर्श कर बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन तथा अंतरण) अधिनियम 1970/ 1980 की धारा 9 की उपधारा (3) के खंड (एफ) के साथ-साथ राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना 1970/ 1980 की धारा 9 की उपधारा (1) एवं (2) में दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए श्री बी.एन. भट्टाचार्जी को अधिकारी निदेशक के रूप में दिनांक 4 मई 2011 से नामित किया है.

श्री भट्टाचार्जी एक सक्रिय ट्रेड यूनियन नेता हैं एवं ट्रेड यूनियन उनका शौक है. उन्होंने अधिकारियों के हित के लिए अपने कैरियर एवं व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं का भी त्याग कर दिया. लखनऊ यूनिवर्सिटी से स्नातक श्री भट्टाचार्जी ने विधि का भी अध्ययन किया है. वे एआईयूबीओएफ से 1989 में जुड़े एवं 1991 में इसकी सेंट्रल कमेटी के सदस्य मनोनीत किए गए. 1997 में, आप ऑल इंडिया यूनियन बैंक आफिसर्स फेडरेशन के कोषाध्यक्ष चुने गए एवं अभी तक उस पद पर बने हुए हैं. वर्तमान में, आप यूनियन बैंक ऑफ इंडिया आफिसर्स एसोसिएशन, बंगाल व सिक्किम इकाई के उपाध्यक्ष और एआईबीओसी एवं एआईएनबीओएफ की पश्चिम बंगाल इकाई के भी उपाध्यक्ष हैं. आपका एआईएनओबीएफ की स्थापना में भी योगदान रहा. श्री भट्टाचार्जी की अनुशासनिक कार्रवाई संबंधी मामलों में काफी रूचि है एवं उन्होंने उप महा प्रबंधक स्तर के कार्यपालकों सहित बहुत से अधिकारियों को समुचित न्याय दिलाया है. आपकी फोटोग्राफी, अंकशास्त्र, हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत एवं लोकसंगीत में भी काफी रूचि है. आप सामाजिक राजनीतिक एवं आर्थिक विषयों से जुड़ी सम-सामयिक गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हैं. देश में बैंकिंग गतिविधियों की अच्छी समझ एवं पकड़ होने के कारण आप एआईयूबीओएफ की गृहपत्रिका यूनियन विज़न के उप संपादक भी हैं. प्रौद्योगिकी के प्रति अपने रूझान के कारण ही आप एआईयूबीओएफ की वेबसाइट के प्रशासक की भूमिका निभा रहे हैं.

Central Government after consultation with Reserve bank of India nominated Shri B. N. Bhattacharjee as an Officer Employee Director in exercise of the powers conferred by clause (f) of sub-section (3) of section 9 of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 read with sub-clause (1) & (2) of clause 9 of the Nationalized Banks (Management and Miscellaneous provisions) scheme 1970/1980 w.e.f. May 4, 2011.

Shri Bhattacharjee is an active trade- unionist, with a great passion and sacrificed his career and personal comforts for the cause of the officers' fraternity. Shri Bhattacharjee, a graduate from Lucknow Unniversity had pursued study of law. He became activist of the AIUBOF since 1989 and became central Committee member since 1991. In 1997, he was elected as the Treasurer of the All India Union Bank Officer's Federation and is continuing in the post till date. At present he is Vice President of Union Bank of India Officer's Association, WB & Sikkim, Vice President of the West Bangal state units of AIBOC and AINBOF. He is one of the founder activists towards formation of AINBOF. He takes keen interest in disciplinary proceedings and assisted number of cases of the officers including Deputy General Manager with flying colours. Shri Bhattacharjee takes keen interest in photography, numerology, Hindustani classical and folk music. He is a keen observer of contemporary issues on socio-political and economic developments. With his great ability and fascination in banking activities in the country, he performs the duty of the sub-editor of Union Vision, the house journal of AIUBOF. Being a tech-savvy person, he is administrator of website of the AIUBOF as well

श्री एन. शंकर
SHRI N. SHANKAR

बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन तथा अंतरण) अधिनियम 1970/1980 की धारा 9 की उपधारा 3 के खंड (ई) के अंतर्गत निदेशक के रूप में पुन: नामित श्री एन. शंकर 1979 से बैंक के कर्मचारी हैं एवं वर्तमान में मुंबई समाचार मार्ग शाखा, मुंबई में विशेष सहायक के रूप में पदनामित हैं. संप्रति आप अखिल भारतीय यूनियन बैंक इम्प्लाइज़ एसोसिएशन (ए आई यू बी जो बैंक में बहुमत प्राप्त यूनियन है, के महा सचिव हैं. आप महाराष्ट्र राज्य बैंक कर्मचारी संघ, जिसमें 40000 से अधिक कर्मचारी शामिल हैं, की कार्यकारिणी समिती के सदस्य है. आप एआईबीईए आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए अनेक स्तरों पर गठित विभिन्न समितियों के भी सदस्य हैं. आप विज्ञान स्नातक तथा आईसीडब्ल्यूए के सदस्य हैं.

आप पिछले 9 वर्षों से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट में कर्मचारी प्रतिनिधि के रूप में पीएफ ट्रस्टी भी हैं. यूनियन परिवार के जरिए विभाग का कार्य सुसंगत बनाने एवं उसमें सुधार लाने हेतु आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसके फलस्वरूप भविष्य निधि ऋण एवं सेवानिवृत्ति देयों का त्वरित संवितरण संभव हो सका है.

आप नवी मुंबई में सहकारिता समिति आंदोलन में भी सक्रिय हैं तथा म्युनिसिपल कर आदि लागू करने हेतु नवी मुंबई म्युनिसिपल कार्पोरेशन एवं नागरिकों द्वारा बनायी गयी कार्य समिति के प्रमुख सदस्य हैं.

Re-nominated as Government nominated Director under Clause (e) of Sub-Section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980, Shri N. Shankar is a Bank employee since 1979 and is presently a Special Assistant in M. S. Marg branch, Mumbai. Currently, he is the General Secretary All India Union Bank Employees' Association (AIUBEA) the majority recognized Union in the Bank. He is also the Working Committee Member of Maharashtra State Bank Employees Federation affiliated to AIBEA covering more than 40000 employees. He is also a member of many Committees at various levels that take up updating AIUBEA movement. He is a Graduate in the faculty of Science and a member of the Institute of Cost and Works Accountants of India.

An employee representative on the PF Trustee in the Union Bank of India employees PF Trust for the last eight years, he has been instrumental in bringing about various improvements and streamlining the functioning of the department through Union Parivar resulting in speedy disbursement of PF Loans and Retirement dues

He is also involved in the Cooperative Society movement in Navi Mumbai and is the key member of the action committee formed by Navi Mumbai Municipal Corporation and Citizens to implement Municipal tax etc.

प्रो. एम. एस. श्रीराम
PROF. M.S. SRIRAM

आप 14 जून 2006 को संपन्न असाधारण सामान्य बैठक में बैंक के निदेशक मंडल में चुने गए तथा शेयरधारकों के हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं. आप ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आणंद (ईरमा) (1984) से ग्रामीण प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमाधारी हैं तथा भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर (1992) के सह-सदस्य (फेलो) हैं. संप्रति, आप भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद में वित्तीयन एवं लेखा क्षेत्र में प्रोफेसर हैं. आपको अकादमी एवं परामर्श के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक का अनुभव है. वित्तीय लेखांकन, कृषि वित्त, सामाजिक उद्यमिता और माइक्रोफाइनेंस आपकी विशेष योग्यता के क्षेत्र हैं. आपकी दो पुस्तकें एवं कई पेपर प्रकाशित हो चुके हैं. वे रूडी मल्टी ट्रेडिंग कंपनी, संघमित्रा रूरल फायनांशियल सर्विसेस, नाबार्ड फायनांशियल सर्विसेस के निदेशक मंडल के सदस्य है. प्रो. श्रीराम बैंकर्स इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट, लखनऊ की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य, दस्तकार आंध्र मार्केटिंग एसोसिएशन, प्रथम बुक्स बोर्ड के ट्रस्टी, दस्तकार आंध्र बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के ट्रस्टी, इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मेनेजमेंट, आणंद के गवर्नर मंडल के भी सदस्य हैं.

Represents shareholder interests on the Board having been elected to the Board at the EGM held on 14th June 2006 and re-elected for a further period of 3 years in EGM held on 22/06/2009 . He holds a Post Graduate Diploma in Rural Management from Institute of Rural Management, Anand (IRMA) (1984) and is a Fellow of the Indian Institute of Management, Bangalore (1992). He has more than two decades of experience in academia and consulting. His fields of expertise are Financial Accounting, Agricultural Finance, Social Entrepreneurship and Microfinance. His publications include two books and several papers. He also holds Board Membership of Sanghmitra Rural Financial Services and NABARD Financial Services Ltd. Prof. Sriram is also member, Governing Council of Bankers Institute of Rural Development, Lucknow, Advisory Board of Trustees Dastkar Andhra Marketing Assosication, Board of Trustees Pratham Books, Trustee Dastkar Andhra, Board of Governers, Institute of Rural Management Anand.